Rapid Series

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

भारतीय अर्थव्यवस्था

कम समय में सम्पूर्ण तैयारी के लिए !

केन्द्र एवं राज्यों की निम्न परीक्षाओं के लिए उपयोगी

SSC | BANK | RAILWAY | POLICE | NDA | CDS | DEFENCE | TET | TGT | PGT | STATE PCS | STATE ONE - DAY EXAMS | B.ED. ENTRANCE EXAM

ATTENTION!

इस बुक को Ignore मत करना !

काफी छात्रों को इस बुक से फायदा हुआ है
आप भी उनमें से एक हो सकते है!

विशेषताएँ

- ✓ सम्पूर्ण Theory सरल भाषा में !
- ✓ केन्द्र एवं राज्यों की सभी परीक्षाओं के प्रश्नों का Theory में Coverage !
- ✓ अध्यायवार अति महत्वपूर्ण Questions का संग्रह !
- ✓ NCERT Theroy का समावेश!

Code	Price	Pages	ISBN
CB1074	₹ 139	142	978-93-5561-113-0

विषय सूची

पृष्ठ संख्या

Exam Information, Preparation Strategy and Current Affairs

⊙ **Agarwal Examcart Help Centre** iv

⊙ **Student's Corner** v

भारतीय अर्थव्यवस्था 1-142

1. भारतीय अर्थव्यवस्था (Indian Economy) 1-6
2. राष्ट्रीय आय (National Income) 7-13
3. भारत में आर्थिक सुधार एवं नियोजन (Economic Reforms and Planning in India) 14-29
4. भारतीय अर्थव्यवस्था के घटक (Components of Indian Economy) 30-52
5. गरीबी एवं बेरोजगारी (Poverty and Unemployment) 53-69
6. भारतीय वित्त बाजार, बैंकिंग प्रणाली एवं बीमा व्यवस्था (Indian Finance Market, Banking System and Insurance System) 70-88
7. लोक वित्त (Public Finance) 89-96
8. भारत में निवेश, व्यापार एवं वाणिज्य (Investment, Trade and Commerce in India) 97-106
9. केन्द्रीय बजट 2022-23 (Union Budget 2022-23) 107-121
10. महत्वपूर्ण आर्थिक शब्दावली व तथ्य (Important Financial Vocabulary and Facts) 122-142

अध्याय

1

भारतीय अर्थव्यवस्था
(Indian Economy)

भारतीय अर्थव्यवस्था का परिचय
(Introduction to Indian Economy)

I. अर्थव्यवस्था की परिभाषा (Definition of Economy)

किसी भी निश्चित क्षेत्र की सभी आर्थिक गतिविधियों के स्वरूप को उस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के रूप में परिभाषित करते हैं। देश, कंपनियाँ परिवार सभी अर्थव्यवस्थाएँ होती हैं।

II. अर्थशास्त्र की परिभाषा (Definition of Economics)

अर्थशास्त्र समाज द्वारा दुर्लभ संसाधनों के उपयोग से मूल्यवान उत्पादों के उत्पादन और उनके वितरण का अध्ययन करता है। अर्थशास्त्र को दो वर्गों में बाँटा गया है: व्यष्टि अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र। व्यष्टि अर्थशास्त्र का जनक मार्शल को तथा समष्टि अर्थशास्त्र का जनक मेनार्ड कीन्स को माना जाता है। सरल शब्दों में, व्यष्टि अर्थशास्त्र अधिक व्यक्तिगत स्तर पर अर्थशास्त्र का अध्ययन है, जबकि समष्टि अर्थशास्त्र किसी देश या सरकार के स्तर पर आर्थिक नीति का अध्ययन करता है।

III. अर्थशास्त्र व अर्थव्यवस्था में संबंध (Relation between Economics and Economy)

अर्थशास्त्र में जहाँ निश्चित सिद्धान्तों व कानूनों का अध्ययन किया जाता है, वहीं जब इन निश्चित कानून व सिद्धान्तों को किसी निश्चित सीमा के अन्तर्गत क्रियान्वित किया जाता है, तो इसकी आर्थिक गतिविधियाँ उस निश्चित क्षेत्र की अर्थव्यवस्था कहलाती हैं, जैसे—भारतीय अर्थव्यवस्था, जापानी अर्थव्यवस्था आदि।

IV. अर्थव्यवस्था के प्रकार (Types of Economy)

(i) **पूँजीवादी अर्थव्यवस्था** (Capitalist Economy)—पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में वस्तु एवं सेवाओं के उत्पादन के साधनों पर बाजार (निजी) का नियंत्रण होता है। मूल्य का निर्धारण, बाजार के आधार पर माँग व पूर्ति पर निर्भर करता है इसे बाजार मूल्य प्रणाली भी कहा जाता है।

पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र का प्रभुत्व होता है। सरकारी हस्तक्षेप सीमित एवं प्रतिस्पर्धा की नीति को अमल में लाया जाता है। पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में विशेषज्ञीकरण दिखता है। सरकार नियामक के रूप में केवल नियम बना सकती है।

(ii) **समाजवादी अर्थव्यवस्था** (Socialist Economy)—समाजवादी अर्थव्यवस्था में आर्थिक संसाधनों पर सरकार का पूर्ण नियंत्रण होता है। यहाँ पर मूल्य के निर्धारण में सरकार का हस्तक्षेप होता है तथा सरकार ही माँग व पूर्ति को नियंत्रित करती है इस तरह की प्रणाली को प्रशासनिक मूल्य प्रणाली भी कहा जाता है।

समाजवादी अर्थव्यवस्था में मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र का प्रभुत्व होता है तथा नगण्य प्रतिस्पर्धा की नीति को अपनाया जाता है। समाजवाद में एकाधिकार के दर्शन होते हैं। सरकार ही तीनों भूमिका नियामक, उत्पादनकर्ता एवं आपूर्तिकर्ता के रूप में होती है।

(iii) **मिश्रित अर्थव्यवस्था** (Mixed Economy)—मिश्रित अर्थव्यवस्था पूँजीवादी एवं समाजवादी का मिश्रण होती है। यहाँ कुछ आर्थिक क्रियाओं पर बाजार एवं कुछ पर सरकार का नियंत्रण होता है। मूल्य निर्धारण बाजार एवं सरकार दोनों द्वारा ही किया जाता है। सरकार नियामक के रूप में कार्य करती है। वर्तमान समय में भारत में मिश्रित अर्थव्यवस्था लागू है। ये अर्थव्यवस्था कम विकसित और विकासशील देशों में अधिक प्रचलित है।

(iv) **बन्द अर्थव्यवस्था** (Closed Economy)—बन्द अर्थव्यवस्था, जिसमें आयात (Import) एवं निर्यात (Export) नहीं होता है, बन्द अर्थव्यवस्था कहलाती है। इसे इस तरह भी समझ जा सकता है, जब कोई देश अपने में ही इतना सक्षम हो कि उसे न कोई निर्यात करना पड़े और न ही आयात करना पड़े।

(v) **खुली अर्थव्यवस्था** (Open Economy)—खुली अर्थव्यवस्था में समुचित रूप से आयात एवं निर्यात होता है। 1990 के बाद समाजवादी अर्थव्यवस्था का पतन हुआ और खुली अर्थव्यवस्था ही एकमात्र विकल्प बचा। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि खुली अर्थव्यवस्था एक बेहतर विकल्प है जिसमें एक ओर उपभोक्ता को बेहतर विकल्प मिलते हैं और दूसरी ओर पिछड़े देशों को तकनीकी ज्ञान प्राप्त होता है। लेकिन खुली अर्थव्यवस्था भी खतरों से मुक्त नहीं, क्योंकि इससे कमजोर देशों के बाजार पर विकसित देशों का कब्जा हो जाने का भय बना रहता है जिससे धन का निर्गमन होने लगता है।

(vi) **गाँधीवादी अर्थव्यवस्था** (Gandhian Economy)—गाँधीवादी अर्थव्यवस्था एक ऐसी आर्थिक व्यवस्था की संकल्पना पर आधारित है जिसमें ''वर्ग'' का कोई स्थान नहीं। गाँधी का अर्थशास्त्र एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था स्थापित करने की बात करता है, जिसमें एक व्यक्ति किसी दूसरे का शोषण नहीं करता है, अर्थात् गाँधीवादी अर्थशास्त्र सामाजिक न्याय (Trust) और समता के सिद्धांत पर आधारित है।

(vii) **पारंपरिक अर्थव्यवस्था** (Traditional Economy)—पारंपरिक आर्थिक प्रणाली वस्तुओं, सेवाओं और काम पर आधारित है। यह अर्थव्यवस्था लोगों पर बहुत अधिक निर्भर करती है और इसमें श्रम या विशेषज्ञता का बहुत कम विभाजन होता है। संक्षेप में, पारंपरिक अर्थव्यवस्था बहुत बुनियादी है और सबसे प्राचीन है। दुनिया के कुछ हिस्से अभी भी पारंपरिक आर्थिक प्रणाली के साथ

काम करते हैं। यह आमतौर पर अफ्रीकी और एशियाई महाद्वीपों के ग्रामीण क्षेत्रों में पायी जाती है, जहाँ आर्थिक गतिविधियाँ मुख्य रूप से खेती या अन्य पारंपरिक आय–सृजन गतिविधियाँ होती हैं।

(viii) शासित अर्थव्यवस्था (Controlled Economy)–एक शासित अर्थव्यवस्था में, एक प्रमुख केंद्रीकृत प्राधिकरण होता है। आमतौर पर सरकार–जो आर्थिक संरचना के एक महत्वपूर्ण हिस्से को नियंत्रित करती है। साम्यवादी समाजों में शासित अर्थव्यवस्था आम है, क्योंकि उत्पादन निर्णय सरकार के संरक्षण में होते हैं।

आर्थिक बाजार संरचनाओं को चार श्रेणियों में बाँटा जा सकता है–

पूर्ण प्रतियोगिता बाजार, एकाधिकार प्रतियोगिता बाजार, अल्पाधिकार बाजार और एकाधिकार बाजार।

(A) पूर्ण प्रतियोगिता बाजार (Perfect Competition)–एक पूर्ण प्रतियोगिता बाजार संरचना में, बड़ी संख्या में खरीदार और विक्रेता होते हैं। बाजार के सभी विक्रेता आपस में प्रतिस्पर्धा करते हैं।

(B) एकाधिकार प्रतियोगिता बाजार (Monopolistic Competition)– एकाधिकार प्रतियोगिता में भी बड़ी संख्या में क्रेता और विक्रेता होते हैं। लेकिन वे सभी सजातीय उत्पाद नहीं बेचते हैं। उत्पाद समान होते हैं, लेकिन सभी विक्रेता थोड़े अलग उत्पाद बेचते हैं। उदाहरण के लिए, अनाज (cereals) का बाजार एकाधिकार प्रतियोगिता है। उत्पाद सभी समान हैं, लेकिन स्वाद में थोड़े अलग होते हैं। ऐसा ही एक और उदाहरण टूथपेस्ट है।

(C) अल्पाधिकार बाजार (Oligopoly)–एक अल्पाधिकार बाजार में, केवल कुछ फर्में होती हैं। खरीदार विक्रेताओं की तुलना में कहीं अधिक होते हैं।

(D) एकाधिकार बाजार (Monopoly)–एकाधिकार प्रकार की बाजार संरचना में केवल एक विक्रेता होता है, इसलिए एक ही फर्म पूरे बाजार को नियंत्रित करती है। यह फर्म अपनी इच्छा अनुसार कोई भी कीमत निर्धारित कर सकती है, क्योंकि उसके पास बाजार की सारी शक्ति है। उपभोक्ताओं के पास कोई विकल्प नहीं होता है और उन्हें विक्रेता द्वारा निर्धारित कीमत का भुगतान करना पड़ता है।

V. भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप (Nature of Indian Economy)

भारतीय अर्थव्यवस्था प्रमुखतः ग्रामीण व कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था है, यह मिश्रित व अल्पविकसित श्रेणी में आती है, भारतीय अर्थव्यवस्था में निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र दोनों का सहअस्तित्त्व है। भारतीय अर्थव्यवस्था एक श्रम–आधिक्य वाली अर्थव्यवस्था है।

VI. भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख लक्षण (Important Characteristics of Indian Economy)

भारतीय अर्थव्यवस्था एक अल्पविकसित और विकासशील अर्थव्यवस्था है। विकसित देशों के सापेक्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था पिछड़ी हुई है, इसलिए यह अल्पविकसित है और विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर है, इसलिए विकासशील है। यद्यपि भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

(i) भारतीय अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था है (Indian Economy is an economy based on agriculture): भारत में कुल रोजगार का लगभग 52% कृषि क्षेत्र से प्राप्त होता है। देश की कुल जनसंख्या की 70% से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में बसी हुई है।

- कई उद्योगों को कच्चे माल के लिए कृषि क्षेत्र पर आश्रित रहना पड़ता है।
- कृषि क्षेत्र का विदेशी मुद्रा अर्जन करने में भी महत्वपूर्ण योगदान है।

(ii) भारतीय अर्थव्यवस्था मिश्रित अर्थव्यवस्था है (Indian Economy is Mixed Economy): मिश्रित अर्थव्यवस्था में निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र या बाजार तथा राज्य की भूमिका घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित होती है।

- भारत के आयोजन में प्रारम्भ से ही दोनों क्षेत्रों के महत्त्व को स्वीकार किया गया।
- शुरुआती योजनाओं में सार्वजनिक क्षेत्र की मुख्य भूमिका थी, किन्तु 1991 से आरम्भ उदारीकरण के प्रभाव से निजी क्षेत्र के योगदान में बढ़त हुई है।
- मिश्रित अर्थव्यवस्था का सिद्धान्त जॉन मेनॉर्ड कीन्स ने दिया था।

(iii) भारतीय अर्थव्यवस्था विकासशील अर्थव्यवस्था है (Indian Economy is a Developing Economy): भारतीय अर्थव्यवस्था जिन सूचकों के आधार पर विकसित देशों से पिछड़ी हुई है, उन सूचकों में लगातार सुधार हो रहा है, अर्थात् वह विकास की ओर बढ़ रहे हैं।

पूँजीवादी, समाजवादी एवं मिश्रित अर्थव्यवस्था में अन्तर (Difference Between Capitalist Socialist and Mixed Economy)

पूँजीवादी अर्थव्यवस्था	समाजवादी अर्थव्यवस्था	मिश्रित अर्थव्यवस्था
एक मुक्त अर्थव्यवस्था है।	यह एक नियंत्रित अर्थ-व्यवस्था है।	इसमें स्वतंत्रता व नियंत्रण दोनों साथ-साथ चलते हैं।
इसमें अर्थव्यवस्था का संचालन मूल्यतंत्र द्वारा होता है।	इसमें मूल्य तंत्र को नियमित एवं नियंत्रित किया जाता है।	इसमें दोहरी मूल्य नीति अपनाई जाती है।
उत्पादन का उद्देश्य लाभ प्राप्त करना है।	उत्पादन का उद्देश्य सामाजिक कल्याण में वृद्धि करना है।	उत्पादन में निजी क्षेत्र का उद्देश्य लाभ कमाना और सार्वजनिक क्षेत्र का उद्देश्य सामाजिक कल्याण में अभिवृद्धि करना है।

पूँजीवादी अर्थव्यवस्था	समाजवादी अर्थव्यवस्था	मिश्रित अर्थव्यवस्था
उत्पत्ति के साधनों पर निजी स्वामित्त्व होता है।	उत्पत्ति के साधनों पर सरकारी स्वामित्व होता है।	उत्पत्ति के साधनों पर स्वामित्व निजी सरकारी दोनों प्रकार का होता है।
इसमें आय का वितरण असमान होता है।	इसमें आय का वितरण समान होता है।	इसमें आय का वितरण 'समान' व 'असमान' दोनों प्रकार का होता है।
इसमें स्वतंत्र गला–काट प्रतियोगिता पाई जाती है।	इसमें प्रतियोगिता का अभाव होता है।	इसमें स्वस्थ प्रतियोगिता होती है।
इसमें वर्ग–संघर्ष होता है।	इसमें वर्ग–संघर्ष नहीं होता है।	इसमें असंतोष व्याप्त रहता है।

VII. अर्थव्यवस्था के क्षेत्र (Sector of Economy)

(i) प्राथमिक क्षेत्र (Primary Sector)–प्राथमिक क्षेत्र वे क्षेत्र हैं जहाँ प्राकृतिक संसाधनों को कच्चे माल के तौर पर प्राप्त किया जाता है। प्राथमिक क्षेत्र में नैसर्गिक उत्पादन होता है तथा ऐसी वस्तुओं को प्राथमिक वस्तुएँ कहते हैं। उदाहरण के लिए कृषि उत्पाद, वानिकी मत्स्य उद्योग पशु पालन एवं डेयरी आदि। इस क्षेत्र को श्रम अवरोधक माना जाता है।

(ii) द्वितीय क्षेत्र (Secondary Sector)–जहाँ प्राथमिक क्षेत्र के उत्पादों को कच्चे माल की तरह उपयोग कर द्वितीयक वस्तु या पक्का माल तैयार किया जाता है, वह द्वितीयक क्षेत्र कहलाता है। उदाहरण के लिए उद्योग, रेडीमेड कपड़ा, निर्माण, बिजली उत्पाद आदि।

(iii) तृतीय क्षेत्र (Tertiary Sector)–इसे सेवा क्षेत्र भी कहा जाता है। वहाँ वस्तुएँ नहीं, बल्कि सेवा का उत्पादन होता है। इसे 'बंद कमरे की गतिविधियाँ' के नाम से जाना जाता है, जैसे संचार क्षेत्र, परिवहन, बीमा, बैंकिंग, शिक्षा आदि। वर्तमान में सकल घरेलू उत्पाद में सबसे बड़ा हिस्सा लगभग 55% तृतीयक क्षेत्र अर्थात् सेवा क्षेत्र से आता है।

VIII. ब्रिटिश शासन के पूर्व भारतीय अर्थव्यवस्था (Indian Economy Before British Rule)

ब्रिटिश शासन के पूर्व भारत की लगभग 90% आबादी गाँवों में रहती थी।

- ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोग तीन श्रेणियों में–(i) कृषक, (ii) दस्तकार, (iii) नाई, धोबी, पुरोहित तथा चौकीदार में विभाजित थे।
- भारतीय कृषि उन्नत होने के साथ–साथ सम्पन्न भी थी।
- मध्यकालीन भारत का आंतरिक व्यापार तथा विदेशी व्यापार, दोनों ही बहुत उन्नत थे।
- भारत केवल अपनी आवश्यकता के लिए ही वस्तुओं का उत्पादन नहीं करता था, बल्कि वस्तुओं का निर्यात भी किया जाता था।
- ब्रिटिश शासनकाल में भारतीय अर्थव्यवस्था को कई रूपों में उपनिवेशीय शोषण की समस्या झेलनी पड़ी।
- ईस्ट इंडिया कम्पनी द्वारा व्यापार के नाम पर प्रत्यक्ष लूट–पाट की जा रही थी।
- भारतीय व्यापारियों को उत्पादकों से सीधे वस्तुएँ खरीदने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।
- कच्चे माल पर कम्पनी ने एकाधिकार कर लिया था।
- भारत में इस काल को औपनिवेशिक लूट कहा जाता है। इस काल में हस्तशिल्प उद्योगों के विनाश से भारतीय अर्थव्यवस्था पूरे तरीके से कृषि आधारित हो गई। कम्पनी ने किसानों को प्रत्यक्ष रूप से लूटने के लिए मालगुजारी का रास्ता अपनाया।
- भारत कच्चे माल का निर्यातक तथा निर्मित माल का आयातक बन गया। इसने भारतीय अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव छोड़ा।
- चार्टर एक्ट, 1833 के माध्यम से भारत में ब्रिटिश उद्योगपतियों को कारखाने खोलने की अनुमति प्रदान की गई। परिणामस्वरूप भारत में अत्यधिक विदेशी निवेश हुआ तथा उद्योगपतियों ने भारतीय उद्योगों पर कब्जा कर लिया।
- **ब्रिटिश नीति**–निर्माताओं ने दोषपूर्ण भूमि व्यवस्था द्वारा भी भारत में आर्थिक शोषण की प्रक्रिया को तेज कर दिया।
- ब्रिटिश शासन के पूर्व भारतीय कृषि व्यवस्था में ग्राम सामुदायिक व्यवस्था प्रचलन में थी, जिसके तहत खेती करने वाले को ही भूमि का वास्तविक स्वामी माना जाता था।
- दादाभाई नौरोजी ने अपनी पुस्तक 'Poverty and Unbritish Rule in India' में अपने धन के विकास सिद्धान्त को पहली बार सबके सामने उजागर किया, जिसका प्रकाशन 1878 में हुआ। इस सिद्धान्त के माध्यम से दादाभाई नौरोजी ने लोगों को बताया कि किस तरह से अँग्रेज भारत का धन निकालकर अपने देश ले जा रहे थे तथा ले गये। धन को वापस देश में लाकर व्यापार तथा महत्त्वपूर्ण उद्योगों में निवेश करके भारतीय उद्योगों पर एकाधिकार कायम कर रहे थे। इस तरह वह भारत का आर्थिक शोषण कर रहे थे।

IX. आर्थिक संवृद्धि तथा आर्थिक विकास (Economic Growth and Development)

- आर्थिक संवृद्धि–किसी देश की अर्थव्यवस्था में होने वाली वास्तविक आय में वृद्धि को उस देश की आर्थिक संवृद्धि के रूप में निरूपित किया जाता है। दूसरे अर्थ में यदि किसी देश के सकल घरेलू उत्पाद व प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हो तो इस प्रकार की वृद्धि उस देश की आर्थिक संवृद्धि कहलायेगी।

- आर्थिक संवृद्धि = राष्ट्रीय उत्पाद के आकार में परिवर्तन (परिमाणात्मक परिवर्तन)
- किसी देश की आर्थिक संवृद्धि का सर्वाधिक उपयुक्त माध्यम प्रति व्यक्ति वास्तविक आय होती है।

$$\text{प्रति व्यक्ति वास्तविक आय} = \frac{\text{देश की राष्ट्रीय आय}}{\text{देश की कुल जनसंख्या}}$$

- आर्थिक विकास, आर्थिक विकास से तात्पर्य उन सभी क्रियाओं व उत्पादों के दोहन से है, जो किसी देश की सीमा के अन्दर संचालित हो रहे हैं।
- आर्थिक विकास एक बहुआयामी व विविध अवधारणा है, जिसके अन्तर्गत आर्थिक एवं गैर–आर्थिक दोनों प्रकार के चरों को समाहित किया जाता है।

आर्थिक चर → राष्ट्रीय उत्पाद

गैर-आर्थिक चर → परिणात्मक एवं गुणात्मक परिवर्तन

- आर्थिक विकास आर्थिक संवृद्धि की तुलना में अधिक व्यापक है। आर्थिक विकास होने पर आर्थिक संवृद्धि अवश्य होती है, लेकिन आर्थिक सवृद्धि होने पर आर्थिक विकास हो ये आवश्यक नहीं है।

आर्थिक विकास = राष्ट्रीय उत्पाद + जीवन की गुणवत्ता में सुधार

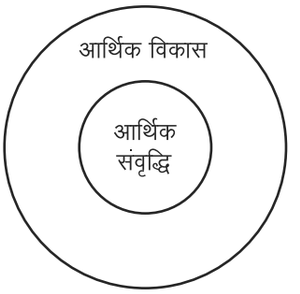

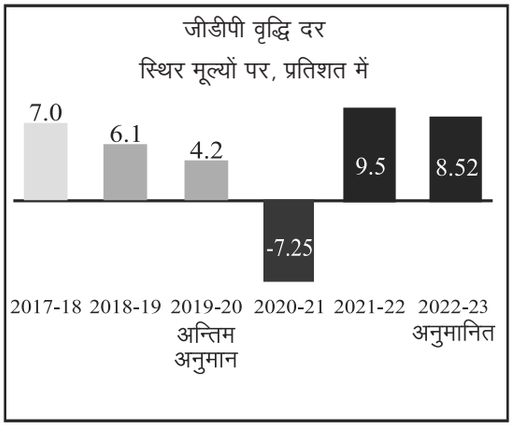

महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

1. भारत में किस तरह की अर्थव्यवस्था है?
(A) समाजवादी (B) गाँधीवादी
(C) मिश्रित (D) स्वतंत्र

2. यह सत्य होगा कि भारत को परिभाषित किया जाए–
(A) एक खाद्य की कमी वाली अर्थव्यवस्था के रूप में
(B) एक श्रम–आधिक्य वाली अर्थव्यवस्था के रूप में
(C) एक व्यापार–आधिक्य वाली अर्थव्यवस्था के रूप में
(D) एक पूंजी–आधिक्य वाली अर्थव्यवस्था के रूप में

3. एक 'बंद अर्थव्यवस्था' वह अर्थव्यवस्था है, जिसमें-
(A) मुद्रा-पूर्ति पूर्ण रूप से नियंत्रित है
(B) घाटा वित्तीयन होता है
(C) केवल निर्यात होते हैं
(D) न निर्यात और न ही आयात होते हैं

4. सतत् विकास का आधार है–
(A) सामाजिक दृष्टिकोण
(B) आर्थिक दृष्टिकोण
(C) पर्यावरणीय दृष्टिकोण
(D) उपर्युक्त सभी

5. निम्नलिखित में से कौन-सा भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रमुख लक्षण है ?
(A) पूँजीवादी अर्थव्यवस्था
(B) समाजवादी अर्थव्यवस्था
(C) मिश्रित अर्थव्यवस्था
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

6. गाँधीवादी अर्थव्यवस्था किस पर आधारित है ?
(A) प्रतिस्पर्धा पर
(B) न्यास पर
(C) राज्य नियन्त्रण पर
(D) इनमें से किसी पर नहीं।

7. निम्नलिखित में से कौन-सा भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रमुख लक्षण है ?
(A) पूँजीवादी अर्थव्यवस्था
(B) समाजवादी अर्थव्यवस्था
(C) मिश्रित अर्थव्यवस्था
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

8. स्थायी विकास किसके उपयोग के संदर्भ में अंतर-पीढ़ीगत संवेदनशीलता की घटना है?
(A) प्राकृतिक संसाधनों के
(B) भौतिक संसाधनों के
(C) औद्योगिक संसाधनों के
(D) सामाजिक संसाधनों के

9. धारणीय विकास किसके उपयोग के संदर्भ में अन्तर-पीढ़ीगत संवेदनशीलता का विषय है ?
(A) प्राकृतिक संसाधन
(B) भौतिक संसाधन
(C) औद्योगिक संसाधन
(D) सामाजिक संसाधन

10. निम्न में से किस आर्थिक सर्वेक्षण में पहली बार 'धारणीय विकास और जलवायु-परिवर्तन' का नवीन अध्याय जोड़ा गया था ?
(A) 2004-05 (B) 2011-12
(C) 2012-13 (D) 2013-14

11. 'एजेंडा-21' किस क्षेत्र से सम्बन्धित है?
(A) सतत् विकास
(B) परमाणु निःशस्त्रीकरण
(C) पेटेंट संरक्षण
(D) कृषि-सम्बन्धी परिदान

12. विचरण गुणांक की अवधारणा का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया था?
(A) स्पियरमैन
(B) कार्ल पियर्सन
(C) गोसेट
(D) फिशर

13. सार्वजनिक या निजी क्षेत्र का वर्गीकरण इस आधार पर किया जाता है–

(A) कर्मचारियों की सेवा शर्तें

(B) कार्यरत व्यक्तियों की संख्या

(C) गतिविधि की प्रकृति

(D) स्वामित्व

14. कौन–सा क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार है ?

(A) कृषि (B) स्वचालित वाहन

(C) पर्यटन (D) फिल्म और संगीत

15. पूँजीवाद में उत्पादित वस्तुओं पर किसका स्वामित्व होता है?

(A) सामूहिक स्वामित्व

(B) व्यक्तिगत स्वामित्व

(C) सामाजिक स्वामित्व

(D) राज्य स्वामित्व

16. एकाधिकार में पूर्ति वक्र–

(A) धनात्मक ढाल का होता है।

(B) ऋणात्मक ढाल का होता है।

(C) X-अक्ष के समान्तर होता है।

(D) अस्तित्व में नहीं होता है।

17. किस अर्थशास्त्री के अनुसार, अर्थशास्त्र मनुष्य के भौतिक कल्याण का अध्ययन है?

(A) मार्शल (B) पीगू

(C) एड्म स्मिथ (D) रॉबिन्स

18. 'पूँजीवाद' का क्या अर्थ है ?

(A) बाजार में निवेशित कुल धन

(B) संस्थाओं का सरकारी स्वामित्व

(C) पूँजीगत वस्तुओं का निजी स्वामित्व

(D) विदेशी निवेश

19. निम्नलिखित में से किस अर्थव्यवस्था को लाईसेज़ फेयर भी कहा जाता है?

(A) मिश्रित अर्थव्यवस्था

(B) पूँजीवादी अर्थव्यवस्था

(C) समाजवादी अर्थव्यवस्था

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

20. सकल निवेश से मूल्यह्रास घटाया जाए तो हमें ..... प्राप्त होता है।

(A) निवल निवेश

(B) अन्तिम वस्तुएँ

(C) जी.डी.पी.

(D) उक्त में से कोई नहीं

21. यदि मूल्यों में उर्ध्वगामी बल की गति धीमी है, तो यह है

(A) रेंगति या हल्की स्फीति

(B) ऋण स्फीति

(C) चलती स्फीति

(D) मुद्रास्फीति

22. वह मूल्य जिस पर संतुलन प्राप्त होता है, ... कहलाता है।

(A) संतुलन मूल्य

(B) संतुलन मात्रा

(C) सामान्य मूल्य

(D) क्षिप्रगामी मूल्य

23. जिस बाजार में केवल दो ही फर्में होती हैं, तो उसे कहते हैं–

(A) अल्पाधिकार

(B) द्वयाधिका

(C) दो खरीददार वाला बाजार

(D) अल्प खरीददार वाला बाजार

24. साधारणतः यदि जोखिम एक फर्म में अधिक शामिल है–

(A) पूँजी की लागत कम होगी

(B) पूँजी की लागत ज्यादा होगी

(C) पूँजी की लागत तटस्थ होगी

(D) उपर्युक्त कोई नहीं

25. संगीत का बाजार ..... का उदाहरण है।

(A) मोनोपोली (एकाधिकार)

(B) परफेक्ट कम्पटीशन (योग्य प्रतियोगिता)

(C) ओलिगोपोली (अल्पाधिकार)

(D) मोनोपोलिस्टिक कम्पटीशन (एकाधिकार प्रतियोगिता)

26. कुछ फर्मों वाले उद्योग को कहते हैं–

(A) एकाधिकार

(B) अल्पाधिकार

(C) पूर्ण प्रतिस्पर्धा

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

27. कॉब-डगलस के उत्पादन कार्य में कारक प्रतिस्थापन का लचीलापन इसके बराबर होता है।

(A) शून्य (B) अनन्त

(C) एक (D) दो

28. ..... धन के उपयोग के बिना, दो या अधिक दलों के बीच, वस्तुओं और सेवाओं का आदान–प्रदान है।

(A) डम्पिंग

(B) बार्टरिंग

(C) आर्बिट्रेशन

(D) पिग्गीबैक मार्केटिंग

29. एक मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा नुकसान है।

(A) धन की एकाग्रता कुछ ही लोगों के पास रहती है

(B) सरकार का बड़ा हस्तक्षेप

(C) कई आर्थिक प्रतिबंध

(D) उच्च कर

30. किस प्रकार की अर्थव्यवस्था निजी स्वामित्व रखती है और उत्पादन के अधिकतर जरिए नियन्त्रण, लेकिन अधिकतर सरकारी नियमन के अधीन रखती है।

(A) समाजवाद

(B) मिश्र अर्थव्यवस्था

(C) बाजार अर्थव्यवस्था

(D) शासित अर्थव्यवस्था

31. अर्थव्यवस्था के प्रकारों को उदाहरण से मिलाइये–

अर्थव्यवस्था का प्रकार	**उदाहरण**
1. पारंपरिक अर्थव्यवस्था	(a) चीन
2. शासित अर्थव्यवस्था	(b) इंडिया
3. मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था	(c) अफ्रीका के आदिवासी लोग
4. मिश्रित अर्थव्यवस्था	(d) हांग कांग

कूट:

(A) 1-(b), 2-(c), 3-(a), 4-(d)

(B) 1-(d), 2-(b), 3-(c), 4-(a)

(C) 1-(c), 2-(a), 3-(d), 4-(b)

(D) 1-(a), 2-(d), 3-(b), 4-(c)

32. कौन–से प्रकार की अर्थव्यवस्था में सरकार की भूमिका न्यूनतम होती है और अधिकतर आर्थिक निर्णय खरीदारों और विक्रेताओं द्वारा लिए जाते हैं, सरकार द्वारा नहीं ?

(A) समाजवाद

(B) मिश्र आर्थिक व्यवस्था

(C) बाजार आर्थिक व्यवस्था

(D) शासित आर्थिक व्यवस्था

33. भारतीय अर्थव्यवस्था का मेरुदण्ड कौन-सा क्षेत्र है?

(A) सेवा क्षेत्र (B) वित्तीय क्षेत्र

(C) पर्यटन क्षेत्र (D) कृषि क्षेत्र

34. इनमें से किस प्रकार की अर्थव्यवस्था में संसाधनों पर निजी अधिकार होते हैं और आर्थिक गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य लाभ अर्जित करना होता है?

(A) वैश्विक (B) मिश्रित

(C) समाजवादी (D) पूँजीवादी

35. अर्थव्यवस्था का प्राथमिक क्षेत्र ..... से संबंधित है।

(A) कृषि (B) विनिर्माण

(C) सूचान प्रौद्योगिकी (D) परिवहन

36. एक अर्थव्यवस्था में तृतीयक क्षेत्र में ..... शामिल होता है।

a. बैंकिंग

b. परिवहन

(A) केवल a (B) a और b दोनों

(C) केवल b (D) न ही a न ही b

37. सेवा क्षेत्रक अर्थव्यवस्था के ..... का एक हिस्सा है।

(A) द्वितीयक क्षेत्रक

(B) तृतीयक क्षेत्रक

(C) सार्वजनिक क्षेत्रक

(D) प्राथमिक क्षेत्रक

38. भारतीय अर्थव्यवस्था के तृतीयक क्षेत्र के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. ये वे गतिविधियाँ हैं जो प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्र के विकास में सहायता करती हैं।
2. ये गतिविधियाँ अपने आप में अच्छा उत्पादन नहीं करती हैं, लेकिन वे उत्पादन प्रक्रिया में सहायता और समर्थन करती हैं।

(A) कथन 1 सही है।
(B) कथन 2 सही है।
(C) कथन 1 और 2 दोनों सही हैं।
(D) कथन 1 और 2 दोनों सही नहीं हैं।

39. "पूर्ण प्रतियोगिता" की आवश्यक शर्तों में से एक है।
(A) उत्पाद में भिन्नता
(B) एक समय के समान उत्पादों के लिए कीमतों की बहुलता
(C) कई विक्रेता और कुछ खरीददार
(D) एक ही समय में समान चीजों के लिए समान मूल्य

40. एक पूर्ण प्रतियोगिता में, एक व्यापारिक कम्पनी लाभ को अधिकतम करती है
(A) मूल्य निर्धारित करना ताकि कीमत, कुल औसत लागत के बराबर हो
(B) आउटपुट निर्धारित करना ताकि कीमत, कुल औसत लागत के बराबर हो
(C) आउटपुट निर्धारित करना ताकि कीमत, सीमान्त लागत के बराबर हो
(D) मूल्य निर्धारित करना ताकि वह सीमान्त लागत से बड़ा हो

41. बाजार में एकाधिकार की स्थिति निम्न में से किसको संदर्भित करती है?
(A) एक विक्रेता एक खरीददार
(B) कई विक्रेता, एक खरीददार
(C) कई विक्रेता, कई खरीददार
(D) एक विक्रेता, कई खरीददार

42. एकाधिकार प्रतिस्पर्धी बाजार में, निम्नलिखित में से कौन–सा सत्य है?
(a) कंपनियाँ कुल बाजार के सापेक्ष छोटी हैं।
(b) किसी भी फर्म के पास कोई भी बाजार शक्ति नहीं है।
(c) बाजार में आसानी से प्रवेश और निकास है।
(d) कुछ फर्मो के पास बाजार की शक्ति है।
(e) बाजार में कोई आसान प्रवेश और निकास नहीं है

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनिए–
(A) केवल a, c और e
(B) केवल b और c
(C) केवल a और b
(D) केवल a और c

43. आर्थिक विकास का सर्वोत्तम संकेतक क्या है?
(A) विकास दर
(B) वास्तविक प्रति व्यक्ति आय
(C) प्रति व्यक्ति आय
(D) गरीबी सूचकांक

44. आर्थिक विकास का एक व्यवस्थित सिद्धांत किसने दिया था?
(A) टी. आर. माल्थस (B) एडम स्मिथ
(C) जे. एस. मिल (D) डेविड रिकार्डो

45. आर्थिक विकास को प्रभावित करने वाला आर्थिक कारक ..... है।
(A) तकनीकी उन्नति
(B) विकासात्मक सामाजिक अभिवृत्ति
(C) उद्यमिता
(D) शासन

46. आर्थिक विकास आमतौर पर ..... से जुड़ा होता है।
(A) अपस्फीति
(B) मुद्रास्फीति
(C) मुद्रास्फीतिजनित मंदी
(D) अतिस्फीति

47. दिए गए कथन आर्थिक विकास और आर्थिक वृद्धि के बीच अंतर बताते हैं। निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

I. आर्थिक विकास एकल आयामी है जबकि आर्थिक विकास बहुआयामी है।
II. आर्थिक विकास को मापा जा सकता है, लेकिन आर्थिक विकास को ठीक से नहीं मापा जा सकता है।

(A) केवल I
(B) केवल II
(C) न तो I और न ही II
(D) I और II दोनों

48. आर्थिक विकास ..... की समस्याओं से संबंधित होता है, जबकि आर्थिक वृद्धि ..... की समस्याओं से संबंधित होती है।
(A) अल्पविकसित देश, विकसित देश
(B) विकसित देश, अल्पविकसित देश
(C) उच्च जीडीपी वाले देश, कम जीडीपी वाले देश
(D) स्वतंत्र अर्थव्यवस्था, आश्रित अर्थव्यवस्था

उत्तरमाला

1. (C)	**2.** (B)	**3.** (D)	**4.** (D)	**5.** (C)
6. (B)	**7.** (C)	**8.** (A)	**9.** (A)	**10.** (B)
11. (A)	**12.** (B)	**13.** (D)	**14.** (A)	**15.** (B)
16. (D)	**17.** (A)	**18.** (C)	**19.** (B)	**20.** (A)
21. (A)	**22.** (A)	**23.** (B)	**24.** (B)	**25.** (D)
26. (B)	**27.** (C)	**28.** (D)	**29.** (A)	**30.** (B)
31. (C)	**32.** (C)	**33.** (D)	**34.** (D)	**35.** (A)
36. (C)	**37.** (B)	**38.** (C)	**39.** (D)	**40.** (C)
41. (D)	**42.** (D)	**43.** (C)	**44.** (D)	**45.** (A)
46. (B)	**47.** (D)	**48.** (A)		

❑❑